सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 677
04/09/2019

महामहिम राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा तथा कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की कार्य–प्रगति की समीक्षा की

पटना, 04 सितम्बर 2019 ::–महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने उच्च शिक्षा में गुणात्मक–सुधार के प्रयासों की प्रगति की विश्वविद्यालयवार समीक्षा के अपने निर्णय के आलोक में आज प्रथम दिन पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा तथा कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय की गतिविधियों की समीक्षा की।

समीक्षा बारी–बारी सम्पन्न हुई, जिसमें संबंधित विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, परीक्षा–नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार सहित इन विश्वविद्यालयों के अन्य प्रमुख वरीय अधिकारी सहित राज्यपाल सचिवालय एवं शिक्षा विभाग के भी वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को तेज किए जाने के क्रम में यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालयवार उपलब्धियों पर चर्चा किए जाने के साथ–साथ समस्याओं एवं चुनौतियों पर भी गंभीरतापूर्वक विचार हो। उन्होंने कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी से प्रगति हो, इसके लिए जरूरी है कि संबंधित कार्यकारी एजेन्सियों के बीच पारस्परिक समन्वय सही रूप में रहे। उन्होंने कहा कि छात्रहित सर्वोपरि है, अतएव सभी योजनाओं के कार्यान्वयन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता पर विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए।

लगातार तीन घंटे से भी अधिक चली समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम **पटना विश्वविद्यालय** के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने 'पावर प्रेजेन्टेशन' के जरिये बताया कि उनके यहाँ सभी परीक्षाएँ समय से संचालित हो रही हैं तथा विश्वविद्यालयीय वेबसाईट पर पूरे परीक्षा एवं एकेडमिक कैलेण्डर की अपलोडिंग कर दी गई है। बैठक में कुलपति ने बताया कि विगत पाँच वर्षों की उपलब्धियों के मूल्यांकन के आधार पर विश्वविद्यालय को नैक का बी (+) ग्रेड मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मौजूदा समय में हो रही विश्वविद्यालय की तेजी से प्रगति की बदौलत निश्चय ही विश्वविद्यालय की आगामी ग्रेडिंग में संतोषजनक सुधार हो सकेगा। कुलपति ने अपनी पावर–प्रस्तुति के जरिये बताया कि उनके विश्वविद्यालय के अंतर्गत पटना वीमेंस कॉलेज, मगध महिला कॉलेज तथा कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड क्रॉफ्ट का 'नैक प्रत्ययन' (NAAC Accreditation) हो गया है, जबकि कुछ कॉलेजों के लिए नैक–टीम का दौरा निर्धारित होने वाला है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि पटना विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों को 'नैक–मान्यता' निकट भविष्य में मिल जाएगी। कुलपति ने कहा कि बी॰एड॰ गेस्ट फेकेल्टी के रूप में 30, सामान्य विषयों की गेस्ट फेकेल्टी के रूप में 97 तथ पी॰जी॰ सेल्फ फिनान्स कोर्स के लिए 12 पार्ट टाईम शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। उन्होंने सुझाव दिया कि 'गेस्ट फेकेल्टी' कि लिए भी अन्य नियमित शिक्षकों की तरह महाविद्यालय/विभाग में बिताये जानेवाले अनिवार्य छंटों का निर्धारण अवश्य होना चाहिए ताकि वे भी पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों के आयोजन में सहयोग कर सकें।

कुलपति ने कहा कि हर महीने की 26 तारीख को पटना विश्वविद्यालय परिसर में 'पेंशन अदालत' लगाकर सेवांत लाभ के मामलों का निष्पादन होता है। उन्होंने राज्यपाल को जानकारी दी कि सेवानिवृत्त होनेवाले शिक्षकों/गैर शिक्षकेत्तर कर्मियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही

पेंशन–पेपर, लीव इनकैशमेंट, ग्रेच्यूटी, जी॰पी॰एफ॰ की संचित राशि तथा ग्रुप बीमा की राशि का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा कर दिया जाता है।

समीक्षा–बैठक के दौरान कुलपति द्वारा बताया गया कि पटना जिला के 5 गाँवों –ढिबरा (दानापुर प्रखंड), छितवन (मनेर), धवलपुर (पटना सदर), सोनचक (फुलवारी) एवं बहुवारा (संपतचक) को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लेते हुए यहाँ की शिक्षण–व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति द्वारा अनुरोध किया गया कि छात्राओं की महाविद्यालयीय शिक्षा निःशुल्क किए जाने के फलस्वरूप महाविद्यालयों को जो राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जानेवाली है, उससे संबंधित आबंटन शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्र संचारित होने चाहिए।

बैठक में शोध–प्रोजेक्टों की स्थिति, यू॰एम॰आई॰एस॰ तथा बायोमैट्रिक व्यवस्था के संचालन, नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी (NAD) तथा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी (NDL) के कार्यान्वयन आदि पर भी चर्चा हुई।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विश्वविद्यालय में परीक्षा–कैलेण्डर के अनुपालन की स्थिति संतोषजनक है। विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एस॰के॰ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के 42 अंगीभूत महाविद्यालयों में 29 कॉलेजों को नैक की मान्यता प्राप्त है। 13 अंगीभूत कॉलेजों ने 'नैक' की मान्यता हेतु आई॰आई॰क्यू॰ए॰ तथा 9 ने एस॰एस॰आर॰ भी दाखिल कर दिया है। उन्होंने बताया कि डिजिटल पहलों (Digital Initiatives) के लिए चार डिग्री कॉलेजों को 'पायलट प्रोजेक्ट' के लिए चुन लिया गया है। उन्होंने बताया है कि यू॰एम॰आई॰एस॰ के तहत 'स्टूडेंट साईकिल' से जुड़ी योजनाएँ कार्यान्वित हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रस्तावित 38 शोध–परियोजनाओं में से 28 अनुमोदित हो चुकी हैं। उन्होंने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय के अधीन 10032 वृक्षों को लगाया जा चुका है। कुलपति ने बताया कि 'बी॰एड॰पोस्ट' एवं 'एच॰एड॰ पोस्ट' के तहत फोटो अपलोडिंग सही रूप में हो रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार के किसी कॉलेज की सम्बद्धता (Affiliation) का मामला विचाराधीन नहीं है। उन्होंने बताया कि ऑनलाईन डिग्री प्राप्ति के 325 अभ्यावेदनों में से 36 को डिग्री दी जा चुकी है। कुलपति को 'ऑनलाईन डिग्री–वितरण' के काम में तेजी लाने को कहा गया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में 'बायोमैट्रिक सिस्टम' संस्थापित है तथा इसका समुचित अनुश्रवण हो रहा है। कुलपति ने बताया कि पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा आबंटित राशि कॉलेजों को उपाबंटित की जा चुकी है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में 387 अतिथि प्राध्यापकों की सेवा ली जा रही है। उन्होंने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता 'एकलव्य' एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'तरंग' में विश्वविद्यालय की प्रभावशाली प्रतिभागिता के लिए आवश्यक सभी तैयारियाँ की जा रही हैं। कुलपति श्री सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय 68 गाँवों को गोद लेकर अपने एन॰एस॰एस॰ छात्रों के माध्यम से वहाँ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। कुलपति ने प्रत्येक माह की 05 तारीख को नियमित 'पेंशन अदालत' आयोजित किए जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन शिकायत कोषांग में दाखिल 95 मामलों में 62 को निष्पादित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत फुटबॉल के सिन्थेटिक टर्फ निर्माण, स्वीमिंग पुल–निर्माण, इंडोर स्टेडियम निर्माण आदि कि लिए योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं। मीक्षा के दौरान **कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय** के कुलपति प्रो॰ सर्वनारायण झा ने बताया कि विश्वविद्यालय में कोई भी परीक्षा या परिणाम लंबित नहीं है।

उन्होंने बताया कि 2020 की सभी स्नातक परीक्षाएँ 30 मई, 2020 तक आयोजित कराते हुए 30 जून, 2020 तक परिणाम घोषित हो जाएँगे। उन्होंने कहा कि सत्र नियमित संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि 31 अंगीभूत कॉलेजों में से 4 को नैक मान्यता मिल चुकी है तथा 11 के आई॰आई॰क्यू॰ए॰ एवं 09 के एस॰एस॰आर॰ दाखिल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 'यू॰एम॰आई॰एस॰' के तहत 'स्टूडेंट लाईफ साईकिल' कार्यान्वित हो चुका है। प्रो॰ झा बताया कि वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय मुख्यालय में 500 तथा अंगीभूत कॉलेजों में अबतक 734 वृक्ष लगाये जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय मुख्यालय, स्नातकोत्तर विभाग तथा 18 अंगीभूत महाविद्यालयों में 'बायोमैट्रिक उपकरण' संस्थापित हो चुके हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में 124 अतिथि प्राध्यापकों की नियुक्तियाँ भी हो चुकी हैं। कुलपति प्रो॰ झा ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एन॰एस॰एस॰ छात्रों के माध्यम से कुल 26 गाँवों को गोद लिया जा चुका है, जहाँ स्वच्छता, रक्तदान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ हेतु जागरूकता आदि कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। समीक्षा में सेवांत–लाभ के मामलों की स्थिति भी संतोषजनक पायी गई। महामहिम राज्यपाल ने संस्कृत–शिक्षण के विकास हेतु इसे आधुनिक परिवेश एवं जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने तीनों विश्वविद्यालयों की समीक्षा के उपरान्त इनमें कार्यान्वित कार्यक्रमों की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा कहा कि विश्वविद्यालयों में डिजिटीकरण विषयक योजनाओं पर तेजी से अमल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नियमित वेतन–भुगतान एवं सेवांत–लाभ भुगतान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राज्यपाल ने तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निदेशित किया कि नामांकन पूरा हो जाने के एक महीने के बाद छात्रसंघों के चुनाव यथाशीघ्र कार्यक्रमानुरूप आयोजित होने चाहिए ताकि विश्वविद्यालयों की प्रगति एवं नीति–निर्धारण में छात्रों की भी सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय में निर्माण–योजनाओं में पारदर्शिता एवं और तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन डिग्री प्रमाण–पत्र वितरण के कार्य को ससमय तत्परतापूर्वक किया जाना चाहिए अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई होगी।

बैठक में कुलपतियों ने विश्वविद्यालयवार उपलब्धियों एवं चुनौतियों की समीक्षा के कुलाधिपति के निर्णय पर संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की।

.....